2016

HINDI

(Major)

Paper : 1.2

(Bhaktikalin Kavyadhara)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×10=10

(क) 'नन्दक नन्दन' कौन हैं?

(ख) किनको 'पसुपति भामिनी' कहा गया है?

(ग) कवि जायसी का पूरा नाम लिखिए।

(घ) 'मानसरोदक खण्ड' किस कृति का खण्ड है?

(ङ) सूरदास के आराध्य कौन हैं?

(च) 'कवितावली' किनकी रचना है?

(छ) कवि ने किनको 'पतित पावन' कहा है?

(ज) 'बीजक' के कितने खण्ड हैं?

(झ) दादूदयाल किस पंथ के प्रवर्तक थे?

(ञ) 'प्रेमवाटिका' के रचनाकार का नाम लिखिए।

2. संक्षेप में उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) विद्यापति को क्यों 'मैथिल कोकिल' कहा जाता है?

(ख) कबीर ने माया को 'महाठगिनी' क्यों कहा है?

(ग) "जाऊँ कहाँ तजि चरण तुम्हारे"—में निहित आशय स्पष्ट कीजिए।

(घ) भ्रमरगीत का तात्पर्य क्या है?

(ङ) मीराबाई का अति संक्षिप्त परिचय दीजिए।

3. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) विद्यापति के 'त्रिपुरारी' का परिचय दीजिए।

(ख) नागमती के विरहावस्था का वर्णन कीजिए।

(ग) उद्धव ने गोपियों को क्या संदेश दिया था?

(घ) भरत की चारित्रिक विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

(ङ) 'विनय पत्रिका' के आधार पर तुलसीदास के आराध्य देवता के बारे में लिखिए।

(च) "राजा परजा जेहिं रुचै सीस देइ लै जाइ"—का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×2=20

(क) जोग ठगौरी ब्रज न बिकैहै।
यह ब्योपार तिहारो ऊधो ऐसोई फिरि जैहे।
जापै लै आयो हौ मधुकर ताके उर न समैहै।
दाख छाँडि कै कटुक निबौरी को अपने मुँह खैहै?

अथवा

सुनि मुनि राम रुख पाई। गुर साहिब अनुकूल-अघाई॥
लखि अपने सिर सबु छरु भारु। कहि न सकहिं
किछु करहिं-विचारु॥

(ख) जय-जय भैरवि असुर भयाउनि
पसुपति-भामिनी माया।
सहज सुमति बर दिअओ गोसाउनि
अनुगति गति तुअ पाया॥

अथवा

सुर नर मुनि औ देवता सात दीप नवखण्ड
कहै कबीर सब भोगिया देह धरे का डण्ड।

5. "विद्यापति का प्रतिपाद्य क्या था—भक्ति या शृंगार" सतर्क उत्तर कीजिए। 10

अथवा

तुलसीदास की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।

6. सूरदास के वात्सल्य-वर्णन का विश्लेषण कीजिए। 10

अथवा

मानसरोदक खण्ड की भाव-भूमि के बारे में लिखिए।

★★★